(घ) विदेशी कम्पनियों ने सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में जिन क्षेत्रों में प्रवेश किया है उनका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या इस अवधि के दौरान भारत ने भी किसी अन्य देश में कोई निवेश किया है?

उद्योग मंत्री (श्री पुरास्रोली मारन): (क) से (घ) पिछले तीन वर्षों अर्थात् 1993 से 1996 (मई तक) के दौरान सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में अनुमोदित विदेशी निवेश प्रस्तावों के विस्तृत ब्यौरे विवरण में दिये गये हैं (नीचे देखिए) उपर्युक्त समयावधि के दौरान कोई भी अनिवासी भारतीय ईक्विटी अनुमोदित नहीं की गई है।

(ङ) जी, हां।

सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में विदेशी निवेश

231. श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी: क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष में विभिन्न देशों द्वारा सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में देश-वार कुल कितना विदेशी निवेश किया गया है;

(ख) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस क्षेत्र में अनिवासी भारतीयों द्वारा देश-वार अब तक कितना-कितना निवेश किया गया है;

विवरण

1993 से 1996 (मई तक) के दौरान सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से संबद्ध अनुमोदित विदेशी सहयोग के मामलों को दर्शाने वाला विवरण

क्र० सं०	वर्ष	भारतीय कंपनी का नाम	विदेशी सहयोगकर्ता/ देश का नाम	विनिर्माण की मद/ क्षेत्र	राशि/विदेशी ईक्विटी का %
1.	1994	मै० गुजरात एल्कोलिक्स एंड केमिकल्स लि०, बड़ौदा	मै० रैथियान इंजीनियर्स एंड कन्स०, संयुक्त राज्य अमरीका	अल्यूमीना, कैलसिंड अल्यूमीना, फ्यूज्ड अल्यूमीना, अल्यू-मिनियम	66 करोड़ रु० (17.00%)
2.	1995	मै० साची इंडस्ट्रीज लि०, हैदराबाद	मै० फुल्लेर इंटरनेशनल इंक०, संयुक्त राज्य अमरीका	सीमेंट, सीमेंट क्लींकर	10.03 करोड़ रु० (14.96%)
3.	1996	मै० आईसीआईएल एनर्जी सिस्टम लि०, मद्रास	मै० ग्लोबल एनवायरनमेंट फंड, संयुक्त राज्य अमरीका	60 मेगावाट बिजली संयंत्र की स्थापना के लिए	39.83 करोड़ रु० (59.45%)

Unemployment in Rural and Adivasi areas of Gujarat

232. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government have taken steps to control the problems of unemployment in the rural and adivasi areas of Gujarat State;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether some amount has been allocated for this purpose during the Eighth Five Year Plan; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF WELFARE (SHRI BALWANT SINGH RAMOOWALIA): (a) and (b) Yes, Sir, Jawahar Rozgar Yojana (JRY) & Employment Assurance Scheme (EAS) are two on-going Centrally Sponsored Schemes being implemented in Gujarat for providing sustainable employment to the rural poor. The resources under the schemes are shared between Centre and State on 80:20 basis. JRY is in operation since 1989-90, throughout the country. JRY has also been intensified in 6 districts of the State during 1993-94 to 1995-96. Now the IJRY (Intensified Jawahar Rozgar Yojana) scheme has